NETRANJALI IN KORBA CHATTISGARH

सिएट स्पेशियलिटी टायर्स ने कोरबा में खनिक समुदाय के लिए लगाया नेत्र जांच शिविर

कोरबा। सिएट स्पेशियलिटी टायर्स ने आरपीजी फाउंडेशन के नेत्र जांच कार्यक्रम नेत्रांजली के अंतर्गत हाल ही में कोरबा में खनिक समुदाय के लिए मुफ्त नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। आंकड़ों के अनुसार भारत में नेत्र हीनता का दर अधिक है। 2014 में इस समस्या को दूर करने के लिए आरपीजी फाउंडेशन ने नेत्रांजली कार्यक्रम आरंभ किया। अब तक नेत्रांजली के द्वारा हमने 5.5 लाख लोगों की आंखों की मुफ्त जांच की है। इस पहल के अंतर्गत जरूरतमंदों को चश्मे और अधिक इलाज के लिए अस्पतालों के लिए जानकारी दी गई।

खनन एक कठिन व्यवसाय है, और यहां काम करने वाले खनिक अनेक तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करते हैं!

जैसे कोयले की धूल फेफड़ों में जाना, सुनने की क्षमता घटना, आंखें कमजोर होना और कैंसर। सीमित आय और कम जानकारी के कारण जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं पाना बहुत मुश्किल हो जाता है। नेत्रांजली और सिएट स्पेशियलिटी टायर्स के गठजोड़ का उद्देश्य खदान मजदूरों को होने वाले नेत्र विकारों के उपचार में मदद कर उनके लिए सुरक्षित माहौल तैयार करना है।

सिएट टायर्स ने लगाया नेत्र जांच शिविर

कोरबा। सिएट स्पेशियलिटी टायर्स ने आरपीजी फाउंडेशन के नेत्र जांच कार्यक्रम नेत्रांजली के अंतर्गत हाल ही में कोरबा में खनिक समुदाय के लिए मुफ्त नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। आंकड़ों के अनुसार भारत में नेत्र हीनता का दर अधिक है। 2014 में इस समस्या को दूर करने के लिए आरपीजी फाउंडेशन ने नेत्रांजली कार्यक्रम आरंभ किया। खनन एक कठिन व्यवसाय है, और यहां काम करने वाले खनिक अनेक तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करते हैं! जैसे कोयले की धूल फेफड़ों में जाना, सुनने की क्षमता घटना, आंखें कमजोर होना और कैंसर। सीमित आय और कम जानकारी के कारण जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं पाना बहुत मुश्किल हो जाता है।

सिएट का कोरबा में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर

समवेत शिखर संवाददाता

कोरबा। सिएट स्पेशियलिटी टायर्स ने आरपीजी फाउंडेशन के नेत्र जांच कार्यक्रम नेत्रांजली के अंतर्गत हाल ही में कोरबा में खनिक समुदाय के लिए मुफ्त नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। आंकड़ों के अनुसार भारत में नेत्र हीनता का दर अधिक है। 2014 में इस समस्या को दूर करने के लिए आरपीजी फाउंडेशन ने नेत्रांजली कार्यक्रम आरंभ किया। अब तक नेत्रांजली के द्वारा हमने 5.5 लाख लोगों की आंखों की मुफ्त जांच की है। इस पहल के अंतर्गत जरूरतमंदों को चश्मे और अधिक इलाज के लिए अस्पतालों के लिए जानकारी दी गयी।

खनन एक कठिन व्यवसाय है, और यहां काम करने वाले खनिक अनेक तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करते हैं! जैसे कोयले की धूल फेफड़ों में जाना, सुनने की क्षमता घटना, आंखें कमजोर होना और कैंसर। सीमित आय और कम जानकारी के कारण जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं पाना बहुत मुश्किल हो जाता है। नेत्रांजली और सिएट स्पेशियलिटी टायर्स के गठजोड़ का उद्देश्य खदान मजदूरों को होने वाले नेत्र विकारों के उपचार में मदद कर उनके लिए सुरक्षित माहौल तैयार करना है।

सिएट स्पेशियलिटी टायर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विजय गंभीर ने इस पहल के बारे में कहा, सही समय पर आंखों की जांच कराई जाए तो नेत्रहीनता को रोका जा सकता है। इस कार्यक्रम के जरिये सिएट स्पेशियलिटी खदान कर्मियों के बीच आंखों की देखभाल करने की जागरूकता पैदा करना चाहता है। क्योंकि अक्सर इन्हें अनदेखा कर दिया जाता है। सिएट स्पेशियलिटी में हमारा मकसद ग्राहकों के आवागमन को सुरक्षित और अधिक कुशल बनाना है।

कोरबा के सैनिक खनन क्षेत्र (जीडीपी कुसमुंडा कैंप) में 17 मार्च को दृष्टि केंद्र स्थापित किया गया। इस केंद्र में 170 से अधिक खदान मजदूरों और ड्राइवरों की आंखों की मुफ्त जांच की गई। साथ ही कमजोर नजर वाले लाभार्थियों को मुफ्त चश्मे बांटे गए तथा गंभीर विकार के मामलों में अस्पतालों के लिए जानकारी दी गयी।

खनिक समुदाय के लिए लगाया नेत्र शिविर

कोरबा,एजेंसी। सिएट स्पेशियलिटी टायर्स ने आरपीजी फाउंडेशन के नेत्र जांच कार्यक्रम नेत्रांजली के अंतर्गत हाल ही में कोरबा में खनिक समुदाय के लिए मुफ्त नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। आंकडों के अनुसार भारत में नेत्र हीनता का दर अधिक है। 2014 में इस समस्या को दूर करने के लिए आरपीजी फाउंडेशन ने नेत्रांजली कार्यक्रम आरंभ किया। अब तक नेत्रांजली के द्वारा हमने 5.5 लाख लोगों की आंखों की मुफ्त जांच की है। इस पहल के अंतर्गत जरूरतमंदों को चश्मे और अधिक इलाज के लिए अस्पतालों के लिए जानकारी दी गई।

सिएट का कोरबा में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर संपन्न

कोरबा। सिएट स्पेशियलिटी टायर्स ने आरपीजी फाउंडेशन के नेत्र जांच कार्यक्रम नेत्रांजली के अंतर्गत हाल ही में कोरबा में खनिक समुदाय के लिए मुफ्त नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। आंकड़ों के अनुसार भारत में नेत्र हीनता का दर अधिक है। 2014 में इस समस्या को दूर करने के लिए आरपीजी फाउंडेशन ने नेत्रांजली कार्यक्रम आरंभ किया। अब तक नेत्रांजली के द्वारा हमने 5.5 लाख लोगों की आंखों की मुफ्त जांच की है। इस पहल के अंतर्गत जरूरतमंदों को चश्मे और अधिक इलाज के लिए अस्पतालों के लिए जानकारी दी गयी।

खनन एक कठिन व्यवसाय है, और यहां काम करने वाले खनिक अनेक तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करते हैं। जैसे कोयले की धूल फेफड़ों में जाना, सुनने की क्षमता घटना, आंखें कमजोर होना और कैंसर। सीमित आय और कम जानकारी के कारण जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं पाना बहुत मुश्किल हो जाता है। नेत्रांजली और सिएट स्पेशियलिटी टायर्स के गठजोड़ का उद्देश्य खदान मजदूरों को होने वाले नेत्र विकारों के उपचार में मदद कर उनके लिए सुरक्षित माहौल तैयार करना है। सिएट स्पेशियलिटी टायर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विजय गंभीरे ने इस पहल के बारे में कहा, सही समय पर आंखों की जांच कराई जाए तो नेत्रहीनता को रोका जा सकता है। इस कार्यक्रम के जरिये सीएट स्पेशियलिटी खदान कर्मियों के बीच आंखों की देखभाल करने की जागरूकता पैदा करना चाहता है। क्योंकि अक्सर इन्हें अनदेखा कर दिया जाता है। सिएट स्पेशियलिटी में हमारा मकसद रोजमर्रा के आवागमन को सुरक्षित और अधिक कुशल बनाना है।

कोरबा के सैनिक खनन क्षेत्र (जीटीपी कुसमुंडा कैंप) में 17 मार्च को दृष्टि केंद्र स्थापित किया गया। उस केंद्र में 170 से अधिक खदान मजदूरों और ड्राइवरों की आंखों की मुफ्त जांच की गई। साथ ही कमजोर नजर वाले लाभार्थियों को मुफ्त चश्मे बांटे गए तथा गंभीर विकार के मामलों में अस्पतालों के लिए जानकारी दी गयी।

सिएट का कोरबा में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर संपन्न

Free eye check-up camp held for miners

CEAT

सिएट का कोरबा में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर संपन्न

सिएट का कोरबा में नि: शुल्क नेत्र जांच शिविर संपन्न